हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
बुधवार, 28 अगस्त 2019, लखनऊ, पांच प्रदेश, 21 संस्करण, नगर संस्करण
www.livehindustan.com
वर्ष 24, अंक 200, 24 पेज, मूल्य ₹ 4.00 या ₹ 5.00 नई दिशाएं सहित (ऐच्छिक), भाद्रपद, कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी, विक्रम सम्वत् 2076

बड़ी योजना

वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने कहा कि भारत 2030 तक 50 लाख हेक्टेयर बंजर भूमि को कृषि योग्य बनाएगा। पेज17

नवाचारों को प्रोटोटाइप में बदलने पर काम किया जाएगा

एकेटीयू: खोज को बढ़ावा देने के लिए केंद्र बनेगा

नई शुरुआत

लखनऊ | कार्यालय संवाददाता

डॉ एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए न्यू जनरेशन इनोवेशन एंड इंटरप्रन्योरशिप डेवलपमेंट सेंटर की स्थापना की जाएगी। इस सेंटर में नवाचारों को प्रोटोटाइप में बदलने का काम किया जाएगा। साथ ही छात्रों को स्टार्टअप शुरू करने के लिए ढाई लाख रुपए तक की मदद की जाएगी। यह निर्णय मंगलवार को कुलपति प्रो विनय कुमार पाठक की अध्यक्षता हुई वित्त समिति की 53वीं बैठक में लिया गया।

कुलपति प्रो विनय कुमार पाठक ने बताया कि नवाचारों को प्रोटोटाइप में बदलने के लिए छात्रों को आर्थिक सहायता दी जाएगी। ई सिम्पोसियम के लिए ई बुक्स, ई जर्नल, किताबें एवं मैगजीन की क्रय को हरी झंडी दे दी गई है। इसके अलावा सेंटर ऑफ एडवांस स्टडीज में मैन्युफैक्चरिंग एवं ऑटोमेशन, एनर्जी साइंस एवं

टेक्नोलॉजी में पढ़ रहे गेट क्वालीफाइड छात्रों को छात्रवृत्ति दी जाएगी।

बैठक में विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध संस्थानों के कर्मचारियों की आकस्मिक मृत्यु, जानलेवा बीमारी होने व विकलांगता पर अब तीन लाख के बजाए 5 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी जबकि किसी भी बीमारी की दशा में इलाज के लिए अग्रिम धनराशि एक लाख से बढ़ा कर दो लाख रुपए कर दी गई है।

आर्टिफिशल इंजीलिजेंस पर काम करेगा एकेटीयू: कुलपति प्रो विनय कुमार पाठक ने बताया कि नीति आयोग के निर्देश पर विवि में सेंटर फॉर एक्सीलेंस इन आर्टिफिशियल इंटीलिजेंस एवं डीप लर्निंग की स्थापना होगी। इसमें सुरक्षा से जुड़ी तकनीक पर काम किया जाएगा। इसके लिए छात्रों से इनोवेटिव आइडिया भी मांगे जाएंगे। उन्होंने बताया कि आर्टिफिशियल इंटीलिजेंस एवं डीप लर्निंग की स्थापना से शोध को बढ़ावा मिलेगा।

डिजिटल एजुकेशनल प्लेटफार्म शुरू

लखनऊ। एकेटीयू ने छात्रों को बेहतर शिक्षा देने के लिए डिजिटल एजुकेशन प्लेटफार्म की शुरुआत की है। बाकायदा इसके लिए एकेटीयू ने यू ट्यूब पर एक चैनल की शुरुआत की है। इस पर एकेटीयू के शिक्षकों के साथ आईआईटी व एनआईटी के शिक्षकों के लेक्चर भी अपलोड किए जाएंगे। एकेटीयू के प्रवक्ता आशीष मिश्र के अनुसार छात्रों के डिजिटल प्लेटफार्म पर जुड़ने से उनको काफी फायदा होगा। देश के प्रमुख शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों के लेक्चर ऑनलाइन देख पाएंगे। एजुकेशन विडियो उनके लॉगिन में उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने बताया कि छात्रों के साथ-साथ शिक्षक भी इस प्रोजेक्ट से जुड़ सकते हैं। एकेटीयू शिक्षकों के लेक्चर रिकॉर्ड करने के लिए आधुनिक स्टूडियो का निर्माण पहले ही करा चुका है।

विज्ञान सम्मान योजना के लिए आवेदन मांगे गए

सम्मान

लखनऊ | निज संवाददाता

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद की विज्ञान सम्मान योजना के अंतर्गत वर्ष 2016-17 के साइंस अवाड्र्स की विभिन्न श्रेणियों में दिए जाने पुरस्कारों के लिए आवेदन मांगे गए हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 18 सितंबर है। साइंस अवाड्र्स के लिए आवेदन सिर्फ ऑनलाइन माध्यम से ही स्वीकार से ही स्वीकार किए जाएंगे। इच्छुक लोग परिषद की वेबसाइट **www. cstup. org** पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

परिषद की ओर से प्रदान किए जाने वाले पुरस्कारों की सात श्रेणियां हैं। विज्ञान गौरव सम्मान के अंतर्गत प्रशस्ति पत्र व पांच लाख रुपये पुरस्कार राशि का एक पुरस्कार जबकि दो वैज्ञानिकों को विज्ञान रत्न सम्मान के अंतर्गत ढाई लाख रुपये व प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है। युवा वैज्ञानिक सम्मान के अंतर्गत एक लाख रुपये पुरस्कार राशि के पांच पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। वहीं हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की परीक्षाओं में वर्ष 2016 में विज्ञान विषयों में सर्वाधिक अंक

प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को विज्ञान छात्र सम्मान प्रदान किया जाता है। लेकिन छात्रों के व्यक्तिगत आवेदन स्वीकार नहीं होंगे।

बाल वैज्ञानिक सम्मान के तहत पांच पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। जिसकी पुरस्कार राशि 25 हजार रुपये है। 18 वर्ष से कम आयु के बाल वैज्ञानिक इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। विज्ञान शिक्षक सम्मान में पांच पुरस्कार दिए जाएंगे जिसकी पुरस्कार राशि 25 हजार रुपये है। इसके साथ ही नव अन्वेषक सम्मान में पांच पुरस्कार दिए जाते हैं। इसे किसान मजदूर पुरस्कार भी कहा जाता है। इसके अंतर्गत असंगठित क्षेत्रों के नव अन्वेषक जिन्होंने बिना आर्थिक व तकनीकी मदद के कोई नवीन आविष्कार, तकनीक, चिकित्सा पद्धति, फसलों की प्रजातियां, उन्नत औजार व उपकरण का आविष्कार किया हो, आवेदन कर सकते हैं।